जिस कॉलेज और यूनिवर्सिटी में शैक्षिक गुणवत्ता नहीं, उसे बंद कर दें : राज्यपाल

उच्च शिक्षा में ''सुधरो नहीं तो बंद करो'' की नीति पर कार्य करेंगे : हरिभाऊ बागड़े

जयपुर (कासं)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि उच्च शिक्षा में ''सुधरो नहीं तो बंद करो।'' नीति पर कार्य किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य में शैक्षिक गुणवत्ता पर नहीं कोई समझौता नहीं किया जाएगा। ऐसे शिक्षण संस्थान जिनके पास शैक्षिक गुणवत्ता नहीं है, उसे बंद किया जाए। बगैर अनुमति यदि कहीं किसी कॉलेज या शिक्षण संस्था की विश्वविद्यालय स्तर पर मान्यता दी गई है तो उस पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों को सुदृढ़ किए जाने और वहां नियुक्त कुलगुरुओं का मनोबल बढ़ाने के लिए भी कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में स्कूल से उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए अधिक से अधिक प्रयास हों। शिक्षा ही विकास की नींव है, इसलिए इसके उत्थान के लिए सभी स्तरों पर प्रयास हों।

राज्यपाल बागडे बुधवार को लोकभवन में कुलगुरु समन्वय समिति की बैठक में संबोधित कर रहे थे। बैठक में उपमुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री प्रेमचंद बैरवा, चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा और कुलदीप रांका सहित बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद थे।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि, विश्वविद्यालय एक्रेडिटेशन में आ रही अड़चनों को दूर कर अपनी रैंकिंग सुधारे। हर वर्ष महालेखाकार ऑडिट भी कराए। राज्य सरकार स्तर से जुड़ी भर्ती और वित्तीय स्वीकृतियां से जुड़ी प्रक्रियाओं को भी पूरा करने का जल्द प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बैठक में उपस्थित अधिकारियों से विश्वविद्यालय स्वीकृतियों से जुड़े मसलों पर त्वरित और समुचित निर्णय किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कहीं किसी स्तर पर फाइलों को अनिर्णय की स्थिति में नहीं रखा जाए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बुधवार को लोकभवन में कुलगुरु समन्वय समिति की बैठक ली। उनके साथ उपमुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री प्रेमचंद बैरवा और चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर भी मौजूद थे।

राज्यपाल ने पुस्तकों से लुप्त, महत्वपूर्ण भारतीय इतिहास, हमारी ज्ञान परंपरा, महत्वपूर्ण विषयों को विश्वविद्यालयों में दीवार चयनित कर वहां प्रदर्शित किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने यहां ऐसी व्यवस्था भी सुनिश्चित करे जिसमें पुस्तकों से बाहर के ज्ञान, कलाओं, संस्कृति के बारे में माह में दो बार या सप्ताह में एक बार विद्यार्थी अध्यापक संवाद की शुरुआत की जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा में संवाद जरूरी है। इस पर सभी ध्यान दें। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों को दीक्षांत समारोह हर साल कम खर्च में आयोजित करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि नेक रैंकिंग के अंतर्गत विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की भर्ती के लिए प्रस्ताव मांगे गए हैं। उन्होंने कहा कि रिक्त पदों का रोस्टर बनाकर उन्हें भरने की कार्यवाही जल्द की जाएगी। विश्वविद्यालयों में पेंशन और अन्य आवश्यक सुविधाओं, भवन आदि के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री स्तर पर चर्चा कर सकारात्मक कार्यवाहीं किए जाने का विश्वास दिलाया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने भारत सरकार के स्तर पर विश्वविद्यालयों के विकास के लिए बनी समिति के निर्णयों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने विश्वविद्यालयों में ग्लोबल टेलेंट रिटर्न स्कीम, प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस, विश्वविद्यालयों में रिक्त पद भरने, कौशल विकास के बारे में की जा रही कार्यवाही के बारे में जानकारी दी। उन्होंने राज्य सरकार स्तर पर रिक्तियों को भरने के लिए रोस्टर प्रणाली और इस सम्बन्ध में दी गई स्वीकृतियां के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालय के अंतर्गत पैंशन फंड के लिए कार्य करने और विश्वविद्यालय व्यय कम किए जाने पर जोर दिया।

- उन्होंने कहा कि ''नेक एक्रेडिटेशन में आ रही अड़चनों को दूर कर विश्वविद्यालय अपनी रैंकिंग सुधारे। महालेखाकार ऑडिट भी हर वर्ष कराए।''

आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा पद्धित विभाग के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार ने विश्वविद्यालयों को राजस्व सृजित किए जाने पर जोर दिया। पशुपालन विभाग के सचिव डॉ. समित शर्मा, वित्त विभाग की सचिव टीना सोनी, चिकित्सा शिक्षा विभाग के ललित कुमार, समाज कल्याण विभाग के आयुक्त इकबाल खान ने भी विचार रखे। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी ने विश्वविद्यालयों के स्तर पर गुणवत्ता सुधार के लिए की जाने वाली कार्यवाही, नेक एक्रेडिटेशन, नई शिक्षा नीति लागू करने आदि के लिए किए जाने वाले कार्यों के बारे में जानकारी दी।

बैठक में आरम्भ में राज्य के वित्तपोषित विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं ने अपने अपने यहां किए जा रहे नवाचारों, नेक एक्रेडिटेशन, नई शिक्षा नीति को लागू किए जाने के सम्बन्ध में की जा रही कार्यवाही के बारे में बताया।

चाकू दिखाकर लूटपाट करने वाली कालबेलिया गैंग का बदमाश दबोचा

जयपुर। पुलिस थाना बिंदायका ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चाकू दिखाकर लूट की वारदात को अंजाम देने वाली भीलवाड़ा की कालबेलिया गैंग के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटी गई सोने की दो मुरकियां भी बरामद की हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि यह मामला 19 जून 2025 का है। परिवादी श्रवण गुर्जर (50) निवासी रूपनगढ़ जिला अजमेर ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि वह हाथोज मोड़ के पास लाला यादव के खेत में बने बाड़े में परिवार सहित रहता है। घटना की रात तीन अज्ञात व्यक्ति बाड़े का गेट खोलकर अंदर घुसे और सोते समय उसके दोनों कानों की सोने की मुरकियां तोड़ लीं। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट की और एक आरोपी ने चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। शोर मचाने पर परिवार के सदस्य जाग गए। जिसके बाद आरोपी लूटी गई मुरकियां लेकर फरार हो गए। इस संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच के लिए एक टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की जांच की, जिसमें आरोपी वारदात से पहले और बाद में मोटरसाइकिल से आते-जाते दिखाई दिए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कबाड़ियों के गोदामों और वहां काम करने वाले लोगों की जानकारी जुटाई गई। मोबाइल नंबरों की सीडीआर जांच के बाद संदिग्ध नारायण कालबेलिया निवासी बदलियास जिला भीलवाड़ा को डिटेन कर पूछताछ की गई, जिसमें उसने वारदात करना स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर लूटी गई सोने की एक जोड़ी मुरकियां बरामद की गईं। आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी कचरा बीनने के बहाने महिलाओं के साथ रैकी करते हैं और बुजुर्ग लोगों को निशाना बनाते हैं। रेकी करने और वारदात को अंजाम देने वाले अलग-अलग होते हैं। वारदात से पहले मोबाइल फोन घर पर छोड़ देते हैं ताकि ट्रैक न हो सके और वारदात के बाद फरार हो जाते हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में लूट व अन्य अपराधों के छह मामले दर्ज हैं। वहीं इस मामले में पूर्व में राकेश नाथ कालबेलिया निवासी पारसोली घाटी जिला चित्तौड़गढ़ और नाथूनाथ कालबेलिया बागौर जिला भीलवाड़ा हाल करणी विहार जयपुर को गिरफ्तार किया जा चुका है।

- पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटी हुई सोने की दो मुरकियां बरामद कीं
- आरोपी पर पहले से 6 मामले दर्ज

तेज रफ्तार थार ने युवती को कुचला, आरोपी फरार

जयपुर। एक्सप्रेस-हाईवे पर शांति बाग के समीप बुधवार को तेज रफ्तार काले रंग की थार ने एयरफोर्स फिजिकल की तैयारी कर रही थी 18 वर्षीय युवती को कुचल दिया। हादसे में युवती ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घबराए थार चालक ने भागने के प्रयास में कई अन्य वाहनों को भी टक्कर मारी। लेकिन भागने में सफल नहीं होन पर थार चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने थार को जब्त कर उसके रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर चालक की तलाश शुरु कर दी है। बताया जा रहा है कि झुंझुनूं निवासी अनाया शर्मा (18) जयपुर में अपनी बहन के साथ एयरफोर्स फिजिकल की तैयारी कर रहीं थी। रोज की तरह वो अल-सुबह जॉगिंग करने के लिए निकली थी। तभी शांति बाग के पास तेज रफ्तार थार ने उसे कुचल दिया। हादसे में गंभीर रुप से घायल अनाया ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद थार चालक ने भागने का प्रयास करते हुए कई अन्य वाहनों को टक्कर मारी और दादी का फाटक के पास थार छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने थार चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और गैर इरादन हत्या का मामला दर्ज कर चालक की तलाश शुरु कर दी है। बताया जा रहा है कि एयरफोर्स की तैयारी कर रहीं अनाया शर्मा ने परीक्षा पास कर ली थी और कुछ ही समय में उसका फिजिकल होने वाला था।

सार-समाचार

अचल संपत्ति विवरण भरने के लिए शिविर

जयपुर (कासं)। जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता कार्यालय गांधी नगर परिसर में प्रान्तीय नल मजदूर यूनियन (इंटक) जयपुर के सहयोग से 21 व 22 जनवरी को विशेष शिविर लगाया जा रहा है। जिसमें अधिकारी-कर्मचारियों को अचल संपत्ति विवरण ऑनलाइन भरने की सुविधा दी जा रही है। राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार प्रत्येक राज्य कर्मचारी को प्रतिवर्ष अचल संपत्ति विवरण ऑनलाइन भरना अनिवार्य है। निर्धारित तिथि तक विवरण प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में कर्मचारियों को वार्षिक वेतन वृद्धि, पदोन्नित एवं स्वीकृति जैसी महत्वपूर्ण सेवागत लाभों से वंचित होना पड़ सकता है। राज्य सरकार द्वारा इसे भरने की अंतिम तिथि 31 जनवरी निर्धारित की गई है, जिसे बढ़ाने की मांग यूनियन द्वारा की गई है। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना रहा कि जलदाय विभाग का कोई भी कर्मचारी तकनीकी या जानकारी के अभाव में आर्थिक अथवा सेवागत नुकसान का शिकार न हो। इसी जनहित भावना के तहत इंटक संगठन की अपील पर यह शिविर आयोजित किया गया। जलदाय इंटक के जिला अध्यक्ष ताराचन्द सैनी ने बताया कि यह शिविर प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। शिविर के प्रथम दिन ही सैकड़ों जलदाय कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें 100 से अधिक कर्मचारियों ने शिविर के माध्यम से सफलतापूर्वक अपना अचल संपत्ति विवरण ऑनलाइन सबमिट किया। इंटक संगठन द्वारा कर्मचारियों के हित में आगे भी इस प्रकार के सहयोगात्मक प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

कुशाग्र जुनेजा को मिला लीड प्रमाण पत्र

जयपुर। जीडी गोयनका विश्वविद्यालय के गुरुग्राम परिसर ने यू.एस. ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल द्वारा प्रदत्त एलईईडी (लीड) प्लैटिनम 4.1 प्रमाणन प्राप्त कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह सम्मान विश्वविद्यालय की सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और हरित अधोसंरचना के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस अवसर पर गुरुग्राम में आयोजित समारोह में डिज़ाइनटूऑक्युपेंसी सर्विसेज़ के मैनेजिंग पार्टनर कुशाग्र जुनेजा ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद से प्रमाण पत्र प्राप्त किया। समारोह में जीडी गोयनका विश्वविद्यालय की टीम भी उपस्थित रही। प्लैटिनम इस प्रमाणन की सर्वोच्च श्रेणी है। यह दर्शाता है कि जीडी गोयनका विश्वविद्यालय ऊर्जा व जल संरक्षण, पर्यावरणीय प्रभाव में कमी, बेहतर आंतरिक पर्यावरण गुणवत्ता तथा सतत परिसर प्रबंधन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह उपलब्धि जीडी गोयनका विश्वविद्यालय को सतत शिक्षा अवसंरचना के क्षेत्र में एक प्रेरणास्त्रोत के रूप में स्थापित करती है।

पीडीकेएफ आर्टिजंस कलेक्टिव 23 से

जयपुर। प्रिंसेस दीया कुमारी फ़ाउंडेशन (पीडीकेएफ) द्वारा पीडीकेएफ आर्टिजंस कलेक्टिव के उद्घाटन संस्करण की सफलता के बाद, दूसरे संस्करण का आयोजन किया जा रहा है, जो 23 से 25 जनवरी 2026 तक जयपुर के प्रतिष्ठित सिटी पैलेस में होगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस कलेक्टिव में देश के 20 से अधिक राज्यों से 70 से अधिक महिला कारीगर भाग लेंगी, जो महिला-नेतृत्व वाले शिल्प, उद्यिमता और समकालीन संरक्षण के लिए एक राष्ट्रीय मंच के रूप में इसकी भूमिका को मज़बूत करेगा। आर्टिजन कलेक्टिव के दूसरे संस्करण का उद्घाटन जयपुर की प्रिंसेस गौरवी कुमारी और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध डिज़ाइनर अनामिका खन्ना द्वारा किया जाएगा। उद्घाटन समारोह शिल्प, डिज़ाइन और आधुनिक भारतीय फैशन के एक अर्थपूर्ण संगम को दर्शाएगा, जो ऐसे संस्करण की दिशा तय करता है जिसमें शिल्प को नॉस्टेल्जिया के तौर पर नहीं, बल्कि एजेंसी, इनोवेशन और लंबे समय तक चलने वाली सस्टेनेबिलिटी पर आधारित एक जीवित आर्थिक और सांस्कृतिक शक्ति के रूप में पेश करेगा। टेक्सटाइल, ज्वेलरी, कढ़ाई, पेंटिंग, सरफेस क्राफ्ट और मटीरियल इनोवेशन जैसे अलग-अलग क्षेत्रों को शामिल करते हुए, आर्टिजन कलेक्टिव आज के भारत के शिल्प पारिस्थितिकी तंत्र की गहराई और विविधता को प्रदर्शित करेगा।

अविक बने स्पेल मास्टर ऑफ इंडिया

मुंबई। आज के दौर में बच्चों के लिए सिर्फ किताबें पढ़ना ही नहीं, बल्कि सही तरीके से अपनी बात कहना और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना भी उतना ही जरूरी हो गया है। ऐसे में, स्पेलिंग और शब्दों की समझ बच्चों की सोच, अभिव्यक्ति और व्यक्तित्व को मजबूत बनाती है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए एसबीआई लाइफ स्पेल बी सीज़न 15 का ग्रैंड फिनाले सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कड़ी प्रतिस्पर्धा और रोमांच से भरे फिनाले के बाद मुंबई के पवई स्थित बॉम्बे स्कॉटिश स्कूल के 11 वर्षीय अविक अग्रवाल ने देशभर के प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए स्पेल मास्टर ऑफ इंडिया का खिताब अपने नाम किया। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस में ब्रांड, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस और सीएसआर के चीफ रवींद्र शर्मा ने बताया कि इस सीज़न में देश के 300 से अधिक स्कूलों से 1.25 लाख से ज्यादा छात्रों ने हिस्सा लिया, जिससे यह प्रतियोगिता और भी खास बन गई। ग्रैंड फिनाले की मेज़बानी मंदिरा बेदी ने की। लखनऊ के कुशाग्र पांडे फर्स्ट रनर-अप और जयपुर की जैस्मिन जॉनवाल सेकंड रनर-अप रहीं। सभी फाइनलिस्ट्स ने अपने शानदार भाषा कौशल से दर्शकों और जजेस को प्रभावित किया। विजेता बनने पर अविक को 1 लाख रुपए नकद और डिज़्नीलैंड, हांगकांग की पूरी तरह प्रायोजित यात्रा दी गई।

भाजपा कार्यकर्ता सुनवाई में कांग्रेस के कार्यकर्ता भी पहुंचे

जयपुर। भाजपा कार्यालय में बुधवार को गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम की सुनवाई में प्रदेशभर से आए सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने अपनी समस्याएँ रखीं। मंत्री बेढम ने कई प्रकरणों का तत्काल समाधान कराया तथा अन्य मामलों में संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री बेढ़म ने बताया कि इस सुनवाई में भरतपुर के मैनापुरा-भुसावर के पूर्व सरपंच एवं कांग्रेस कार्यकर्ता सतीश पांडे भी अपनी समस्या लेकर पहुँचे। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में उनकी किसी ने नहीं सुनी, लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर पूरा भरोसा है। मंत्री जवाहर सिंह ने उनके प्रकरण पर भी अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। बेढम ने कहा कि भजनलाल सरकार की कार्यशैली जनता-केंद्रित और समाधान-आधारित है।

'वंदे मातरम् और आत्मनिर्भर भारत' थीम पर होंगे कार्यक्रम

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रमों-गतिविधियों के ध्येय वाक्य ''स्वतंत्रता का मंत्र-वन्देमातरम एवं समृद्धि का मंत्र-आत्म निर्भर भारत'' को लक्षित करके ही सम्पूर्ण गतिविधियों का आयोजन करने के निर्देश दिए हैं। जिससे प्रदेश के प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रभक्ति के भाव संचारित हो। मुख्य सचिव ने 26 जनवरी तक आयोजित होने वाले द्वितीय चरण के कार्यक्रमों के बारे में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और सभी कलेक्टर्स की उपस्थिति में बुधवार को तैयारी बैठक ली।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कार्यक्रम को सफल बनाने, 26 जनवरी से पूर्व सभी राजकीय कार्यालयों में वृहद स्तर पर वन्देमातरम गायन कराने तथा गणतंत्र दिवस के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान ही वन्देमातरम का गायन करवाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि 23 जनवरी को प्रदेशभर की 65 हज़ार विद्यालयों में आयोजित होने वाली मेगा पैरेंट टीचर मीट में वन्देमातरम से सम्बन्धित गतिविधियां आयोजित की जाएगी।

साथ ही राज्य के गैर सरकारी संस्थान, वरिष्ठ नागरिक संगठनों एवं कॉलेज, हॉस्टल तथा सामाजिक संस्थानों व अनाथालयों में भी वंदे मातरम का आयोजन किये जाने के निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बुधवार को बैठक लेकर राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा की।

इसी तरह 24 जनवरी को निबंध, डिबेट, क्विज, रंगोली और पेंटिंग जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन सभी विद्यालयों और कॉलेजों में किया जाएगा।

25 जनवरी को प्रत्येक जिले में वंदे मातरम् की थीम पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाने तथा इस दौरान वन्देमातरम का गायन किए जाने के निर्देश दिए गए। 25 और 26 जनवरी को सभी जिलो में सूचना केन्द्रों के माध्यम से वंदे मातरम् थीम आधारित प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। पर्यटन विभाग की तरफ़ से मुख्य पर्यटन स्थलों पर ऑडियो वीडियो बूथस् और सेल्फी प्वाइंट लगाए जाएँगे।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव कला एवं संस्कृति विभाग, प्रवीण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग कुंजी लाल मीणा, शासन सचिव, प्रारंभिक शिक्षा विभाग कृष्ण कुणाल, नगरीय विकास एवं आवासन विभाग प्रमुख शासन सचिव डॉ. देबाशीष पृष्टी सहित संबंधित विभाग के अधिकारी और सभी जिलों के जिला कलेक्टर्स वीसी के माध्यम से जुड़े।

पांचवी क्लास के छात्र से शिक्षकों ने की मारपीट

जयपुर (कासं)। करणी विहार इलाके में एक निजी स्कूल में पांचवी क्लास के छात्र से मारपीट की गई। जानकारी मिलने के बाद पीड़ित छात्र की मां स्कूल पहुंची तो स्कूल स्टाफ ने मां के साथ भी अभद्रता करते हुए उसकी भी पिटाई लगा दी। घबराई मां अपने बच्चे को लेकर थाने पहुंची और स्कूल प्रशासन के बारे में पुलिस को बताया। पुलिस ने स्कूल प्रशासन के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

जांच अधिकारी सहायक उप निरीक्षक सुरेश सिंह नरुका बताया कि पीड़िता ममता देवी पत्नी अर्जुन सिंह, निवासी रामनगर, सिरसी रोड, ने मामला दर्ज कराया है कि उनका बेटा वंश निप एकेडमी में कक्षा 5 में पढ़ता है। स्कूल में कुछ शिक्षक आए दिन उसके साथ मारपीट और मानसिक प्रताड़ित करते रहे हैं। आरोप है कि पूर्व में भी उनके बेटे के साथ मारपीट की गई थी, जिससे उसके कान का पर्दा फट गया था। इस घटना की शिकायत नियम अनुसार स्कूल प्रशासन को दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद स्कूल की ओर से कोई सुधारात्मक कदम नहीं उठाया गया। गत 20 जनवरी, मंगलवार को वह दोबारा अपने बेटे के साथ स्कूल पहुंचीं और स्कूल प्रशासन को शिकायत दी। उन्होंने उन शिक्षकों से बात करने की मांग की, जिन्होंने बच्चे के साथ मारपीट की थी।

इसी दौरान स्कूल में मौजूद डायरेक्टर नेहा, प्रेम सिंह और अन्य स्टाफ सदस्यों ने कथित रूप से उनके साथ और उनके बेटे वंश के साथ मारपीट की। विरोध करने पर स्कूल प्रशासन ने उसके कपड़े पकड़कर उसे भी घसीटा और स्कूल कार्यालय में बंद कर दिया और उसका मोबाइल फोन छीन लिया।

इस मामले में स्कूल के सेक्रेटरी देवेंद सिंह चौहान का कहना है कि ममता देवी दोपहर 3 बजे स्कूल में लठ लेकर पहुंची थी। महिला गार्ड को धक्का देकर स्कूल में एंट्री करके पहले फ्लोर पर पहुंची। इस दौरान महिला टीचर का सर फोडने की धमकी दी। इस दौरान जिस टीचर पर बेटे से मारपीट का आरोप लगाया जा रहा है उनको सामने लाने नहीं पर छत से कूदने की धमकी दी। हमने मौके पर पुलिस बुलाई और पुलिस ने महिला को डंडे सहित पकड़ा। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से मुकदमा दर्ज किया है। उन्होंने कहा- संबंधित मामले में स्कूल जांच के लिए तैयार है, संबंधित मामले में पुलिस को बच्चे से जुड़ी घटना के वीडियो भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

'रिटायर कर्मचारी की 100 फीसदी पेंशन रोकना गलत'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने रिटायर कर्मचारी की सौ फीसदी पेंशन रोकने को गलत माना है। इसके साथ ही अदालत ने विभाग के पेंशन रोकने के आदेश को रद्द करते हुए उसे समस्त परिलाभ अदा करने को कहा है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश विलायती राम की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि विभागीय जांच में याचिकाकर्ता दोषी नहीं पाया गया और आपराधिक मामले में भी उसे दोषमुक्त किया गया। ऐसे में पुलिस को दिए बयान के आधार पर पेंशन नहीं रोकी जा सकती। याचिका में अधिवक्ता टीएन सिंह ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता साल 1994 में विधि रचनाकार के पद पर नियुक्त हुआ था। वहीं सेवा के दौरान उस पर आरोप लगाया गया कि उसने एसटी जाति का फर्जी प्रमाण पत्र के जरिए नौकरी हासिल की है। इस आधार पर उसे साल 2008 में निलंबित कर दिया गया।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने चोरों को ही थानेदार बना दिया था : चतुर्वेदी

जयपुर (कासं)। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने बुधवार को प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से रूबरू होकर कांग्रेस सरकार के दौरान हुए पेपर लीक और भ्रष्टाचार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर धांधली हुई, जिससे युवाओं के साथ धोखा हुआ और योग्य अभ्यर्थियों को बाहर कर अयोग्यों को जगह दी गई। पूववर्ती कांग्रेस सरकार ने चोरों को ही थानेदार बना दिया था।

चतुर्वेदी ने हाल ही में एसओजी द्वारा उजागर किए गए प्रकरणों का जिक्र करते हुए विस्तार से बताया कि कांग्रेस सरकार के समय निकली तीन भर्तियों कृषि पर्यवेक्षक, प्रयोगशाला सहायक एवं महिला सुपरवाइजर में ओएमआर शीट बदलकर किस प्रकार धांधली की गई। उन्होंने कहा, 15 अगस्त 2019 को उत्तर प्रदेश में 61.50 लाख रुपये के साथ अभियुक्त पकड़े गए और एफआईआर दर्ज हुई, लेकिन कांग्रेस सरकार ने 5 साल तक कोई कार्यवाही नहीं की, सिर्फ लीपा-पोती की गई।

- 'भजनलाल सरकार ने अब तक 326 परीक्षाएं कराईं, जिसमें एक भी पेपर लीक नहीं हुआ'

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद 28 फरवरी 2025 को यह मामला एसओजी को सौंपा गया, जिसके बाद जांच तेज हुई, प्रभावी कार्यवाही करते हुए कई गिरफ्तारियां की गईं। कांग्रेस के समय राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की जांच समिति में खुद चोरों को थानेदार बना दिया गया। चतुर्वेदी ने जोर देकर कहा, कांग्रेस शासन में 19 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए, 133 प्रकरण दर्ज हुए, लेकिन किसी पर कोई कार्यवाही नहीं की गई।

'भारत का भविष्य उज्जवल, मगर साहित्य का ग्राफ कमजोर हुआ'

जयपुर (कासं)। राईटर्स क्लब जयपुर के तत्वावधान में भारत व अमरीका के दर्शन, साहित्य, चिकित्सा सेवा तथा समाज के सांस्कृतिक परिवेश के वर्तमान एवं भविष्य पर चर्चा के लिए ''एक संवाद डॉ. परिक्षित सिंह के साथ'' का आयोजन हुआ। जहां जयपुर के मूल निवासी डॉ. परिक्षित सिंह ने संस्था के अध्यक्ष लोकेश कुमार सिंह साहिल के साथ संवाद में कहा कि आज का भारत विकसित भारत है और इसका भविष्य उज्जवल है, मगर साहित्य की दृष्टि से देखें तो आज भारत पहले के भारत से बहुत पिछड़ रहा है। इसका ग्राफ नीचे गया है। यह देश कभी ज्ञानियों, ऋशियों, महर्शियों के मार्गदर्शन पर चलता था, इसका आज अभाव है। भारत आज नये पाश्यचात सभ्यता की ओर बढ़ रहा है।

लोकेश कुमार साहिल के एक प्रश्न के जबाब में परिक्षित सिंह ने बताया कि आज का जयपुर अपना पुराना वैभव खोता जा रहा है। जिस स्मार्ट सिटी की हम बात करते हैं वह जयपुर स्थापना के समय से ही पहला स्मार्ट सिटी था। हम विकास की चाह में अपना सौन्दर्य सभाल नहीं पाये। इसी प्रकार अब के अमेरिका में पहले के मुकाबले उदारवाद कम हुआ है। पहले अमेरिका एक विश्व शक्ति था आज उसके मुकावले में कई देश खडे हो गये हैं। धर्म और आध्यात्म में क्या अन्तर है के संवाद में डॉ. परिक्षित सिंह ने कहा कि जो धर्म को धारित करे वह धर्म है। राजनीति एक अल्पकालीन धर्म है जबकि धर्म दीर्घकालीन है। इस अवसर पर डॉ. सिंह के पिता स्व. सत्यनारायण सिंह के उपर लिखी उनकी कविताओं के संग्रह ''सत्य'' नामक पुस्तक का विमोचन डॉ. परिक्षित सिंह, लोकेश सिंह साहिल, अध्यक्ष राईटर्स क्लब, आर.एस. जाखड, पूर्व आईएएस, साहित्यकार फारूख आफरीदी मौजूद थे।

सुडान के शहर डोंगोला में 'जयपुर फुट' शिविर

जयपुर। अफ्रीकी देश सुडान के शहर डोंगोला में भारत सरकार और विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता सस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के संयुक्त तत्वावधान में विकलाग पुर्नवास शिविर आरम्भ हुआ।

डोंगला में यह शिविर विदेश मंत्रालय के इण्डिया फॉर हयूमेनिटीज कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित किया जा रहा हैं जिसमें विदेशों में जाकर विकलांगों को पुर्नवास जयपुर फुट और अन्य उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। शिविर के उद्घाटन समारोह में सुडान स्थित भारत के कार्यवाहक राजदूत जी.सी. जोशी तथा सुडान सरकार के उच्चाधिकारी और भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के अध्यक्ष सतीश मेहता उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि इस समय मध्य अमेरिकी देश ग्वाटेमाला में भी इसी तरह के शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में कार्यवाहक राजदूत जी.सी. जोशी ने बताया कि भारत और सुडान के रिश्ते बहुत पुराने हैं और वर्षों के इस रिश्ते को मजबूत रखने के लिए संकटग्रस्त सुडान के भारत हमेशा मदद करता रहा है। भारत सरकार ने 25 टन वनज की विभिन्न दवाएँ, बीस डायलिसीस मशीनें और 2000 टन चावल भेंट किया है। बी.एम.वी.एस.एस. के अध्यक्ष सतीश मेहता ने कहा कि जयपुर फुट का लाभ 49 देशों में 126 शिविरों के द्वारा लगभग 49 हजार विकलांगों को लाभा पहुँचाया जा चुका है। जयपुर फुट इन विकलांगों को मुफ्त बाटा जाता है ताकि उनका जीवन स्तर सुधर सके। डोंगीला के शिविर में 600 विकलांगों के पुर्नवास का लक्ष्य है। डोंगोला सुडान के उत्तर में नाइल नदी के त टपर स्थित हैं और यह शहर अपनी सोने की खानों के लिए प्रसिद्ध हैं। डोंगोला के गर्वनर मेजर जनरल अब्दुल रहमान अब्द एल हमीद ने जयपुर फुट की टीम के सम्मान में रात्रि भोज दिया।